अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई - 2021

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम

विषय : कथक नृत्य (प्रथम प्रश्नपत्र)

दि. 10/10/2021 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (१) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।
(२) बाकी प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न हल करें।
(३) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें।

प्र. 1. लिपिबध्द करें (कोई तीन)। :- **(3 X 5 = 15)**

(1) तीनताल में प्रिमेलू (परमेलू)।
(2) झपताल में कवित्त।
(3) धमार में चक्रदार परन।
(4) झपताल में परन - जुडी - आमद।
(5) धमार में फरमाईश चक्रदार परन।

प्र. 2. टिप्पणी लिखें (कोई तीन)। :- **(3 X 5 = 15)**

(1) नरसिंह अवतार (कथा और मुद्रा)।
(2) कथकली नृत्य (परिभाषा, वाद्य, वस्त्र)।
(3) अभिसारिका नायिका (उदाहरणसहित)।
(4) धीरोद्धत नायक (उदाहरणसहित)।

प्र. 3. (अ) जवाब दें। :- **(1 X 10 = 10)**

(1) शृंगार रस के दो प्रकारों के नाम लिखे।
(2) धीरोदात्त नायक और धीरप्रशांत नायक के प्रत्येकी दो उदाहरण दें। (सिर्फ नाम)

Contd.

(3) अष्टनायिका में से किसी 2 नायिकाओं के नाम लिखें।

(4) दशावतार में से पहले दो अवतार कौनसे है ?

(5) जाति कितने प्रकार की है ?

(6) मणिपूरी नृत्य में साथसंगत के लिए कौनसे वाद्य उपयुक्त है ? (सिर्फ दो)

(7) करूण रस का स्थायी भाव कौनसा है ?

(8) युध्द के लिए सज्ज योद्धा कौनसे रस का निर्देश है ? (मुख्य रस का नाम)

(9) 'तिल्लाना' कौनसे नृत्य के प्रस्तुति में किया जाता है ?

(10) वराह अवतार की मुद्रा का वर्णन करें।

(ब) जोडीयाँ जमाइए। :- **(1 x 5 = 5)**

(1)	कूर्म अवतार	(a)	अद्‌भुत रस
(2)	पिपिलिका	(b)	श्रीकृष्ण
(3)	धीरललित	(c)	नि:शब्द
(4)	विस्मय	(d)	अमृत – मंथन
(5)	क्रिया	(e)	यति भेद

प्र. 4. गुरु शिष्य परंपरा का महत्त्व समझाइए। गुरु के प्रति शिष्य का कर्तव्य किस प्रकार से है ? ऐसे शिष्य में कौनकौनसे गुण होने चाहिए ? विस्तार में लिखें। (15)

प्र. 5. (अ) ताल धमार की पूर्ण जानकारी दें। (3)

(ब) ताल धमार के ठेके की एकगुन, दुगुन, चौगुन और ठेके की तिहाई लिपिबद्ध करें। (तिहाई ठेके के बोलों की आवश्यकता) **(4 x 3 = 12)**

Contd.

प्र. 6. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। :- (15)

(1) पाँच मात्राओं की जाति का नाम ..... है।

(2) काल के ..... और ..... भेद है।

(3) वराह अवतार में श्री विष्णुजी ने ..... राक्षस का वध किया।

(4) ..... नृत्यशैली में लास्य अंग का प्रदर्शन होता है।

(5) पती के परदेस जाने से जो दु:खी है वह ..... नायिका है।

(6) मणिपुरी नृत्य की वेशभूषा में घागरा को ..... कहते है।

(7) प्रस्तार का मतलब ..... करना है।

(8) वीर रस के ..... भेद और हास्य रस के ..... भेद माने जाते हैं। (कितने हैं ?)

(9) मायावी, कपटी स्वभाव से भरा नायक ..... है।

(10) संकेतस्थल पर पहुँचने के बाद भी ..... नायिका को नायक मिलने आता नहीं।

(11) ग्रह के ..... और ..... भेद है।

(12) भरतनाट्यम नृत्य में ..... संगीत का प्रयोग होता है।

प्र. 7. (अ) **नाट्य की उत्पत्ति, नाट्य का प्रयोग और नाट्य का प्रयोजन इस विषय की जानकारी दें।** (15)

'या' (OR)

(ब) ताल के दस प्राणों में से किन्हीं पाँच प्राणों की जानकारी दें।